नवभारत, 13 अप्रैल 2010

न्याय वैद्यकीय व्यवस्थापन पर चर्चा

संवाददाता द्वारा

पिंपरी. यहां आदित्य बिड़ला अस्पताल में हेल्थ रेकार्ड एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई) के सहयोग से मेडरेकॉन 10वीं राष्ट्रीय वार्षिक परिषद का महाराष्ट्र में पहली बार आयोजन किया गया था. दो दिन चलने वाली इस परिषद में न्याय वैद्यकीय व्यवस्थापन प्रमुख विषय था.

वैद्यकीय कागजात संभालने वाले, रुग्णालय के प्रशासकीय विभाग के कर्मचारी, सूचना प्रौद्योगिकी व कानून के क्षेत्र में काम करने वालों के लिए यह चर्चासत्र उपयुक्त रहा. न्याय वैद्यकीय क्षेत्र के विविध प्रश्न व कागजातों की प्रक्रिया पर मान्यवरों की चर्चा हुई.

लगभग 250 से ज्यादा मान्यवर इसमें सहभागी हुए. इस अवसर पर बोलते हुए अस्पताल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. एस.पी. सिंह ने कहा कि भारतीय उद्योग क्षेत्र में आरोग्य न्याय वैद्यक व उसके कागजातों की देखभाल करने का महत्व बढ़ रहा है.

एचआईएआई के अध्यक्ष सी. गोविंदराजन ने कहा कि देश के वैद्यकीय क्षेत्र में परिवर्तन हो रहा है. आने वाले समय में पंजीकरण के व्यवस्थापन में छूट नहीं मिलेगी. सूचना व प्रौद्योगिकी में प्रगति गुणवत्ता नियंत्रण के मापदंड अस्पताल के मूल्यांकन के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे.

इस परिषद में सूचना व प्रौद्योगिकी व आधुनिक संवाद व्यवस्था के माध्यमों का उपयोग कर वैद्यकीय पंजीकरण करने के बारे में चर्चा की गई. सूचना प्रोद्योगिकी क्षेत्र का स्वास्थ्य क्षेत्र पर हुआ परिणाम वैद्यकीय नैतिकता का प्रश्न, पुलिस व न्यायालयीन कामों की पूर्तता विषय पर परिषद में जोर दिया गया.